Taittirlya Aranyakam- TA 7 & 8

Sanskrit Corrections - Observed till 31st Mar 2020

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date). Kindly refer to your Guru for the differences in Swaram marking between various sources.

| Section, Paragraph | As Printed | To be read as or corrected as |
|---------------------|---|--|
| Reference | | (Comments and analysis) |
| TA 7.10.1 | | |
| 8th Vaakyam | द्यावा <mark>पृ</mark> थिवीभ्याम् पीपिहि । | द्यावापृ <mark>थि</mark> वीभ्याम् पीपिहि । |
| 36th Dasini | _ ` | • |
| TA 7.20.1 | | |
| 4th Vaakyam | विधु <mark>न्द्र</mark> द्राणं ्समने बहूनाम् । | विधु <mark>न्द</mark> द्राणं ्समने बहूनाम् । |
| 59th Dasini | ` _ ` | |
| TA 7.20.3 | l c | ı |
| 10th & last Vaakyam | वियः सु <mark>प</mark> णीः | वियः सु <mark>प</mark> णीः |
| 61st Dasini | | |
| TA 7.22.1 | | |
| 2nd Vaakyam | क्षुच्च तृष्णा <mark>च</mark> | क्षुच्च तृ <mark>ष्णा</mark> च |
| 63rd Dasini | _ | |
| TA 7.41.3 | i _ II | í <mark>T</mark> II |
| 7th Vaakyam | अन्नाद्येन स <mark>मि</mark> न्ता७ स्वाहा । | अन्नाद्यन स <mark>मि</mark> न्ता७ स्वाहा । |
| 84th Dasini | — — — | |
| TA 8.2.8 | II I I | II I I |
| 7th Vaakyam | तस्मान् मृत्खनः करुण्यत <mark>रः</mark> । | तस्मान् मृत्खनः करुण्यत <mark>म</mark> ः । |
| 15th Dasini | ` | ` |

| TA 8.4.12 | यत् त्रिः परीत्य | । <mark>य स्त्रिः</mark> परीत्य |
|------------------------|--|--|
| 9th Vaakyam | <mark>पत् ।त्र-</mark> परात्प | प स्त्रिः परात्प |
| 41st Dasini | | |
| TA 8.5.3 | | |
| 11th Vaakyam | तं ँयदेतैर्-यजुर्भिररोच <mark>यि</mark> त्वा । | तं ँयदेतैर्-यजुर्भिररोच <mark>यि</mark> त्वा । |
| 45th Dasini | _ ` | _ ` |
| TA 8.6.6 | | |
| 5th Vaakyam | पूर्वमे <mark>वा</mark> दितम् । | पूर्वमे <mark>वो</mark> दितम् । |
| 51st Dasini | | |
| TA 8.7.8 | 1 | |
| 10th & Last Vaakyam | मा <mark>हिः</mark> ्सीः पृथिविस्पृङ्मा | मा <mark>हिर्</mark> सीः पृथिविस्पृङ्मा |
| 65th Dasini | ना <mark>किन्</mark> यसार यृष्यायस्यृत्र्ना | |
| | | |
| TA 8.8.13 | de la constante la | } |
| 5th Vaakyam (2 errors) | ते <mark>ज</mark> एव तथ् <mark>सश</mark> ्यति । | ते <mark>ज</mark> एव तथ्स <mark>ज्</mark> ञयति । |
| 82nd Dasini | | <u> </u> |
| TA 8.9.11 | | _ |
| 12th Vaakyam | यः प्रवर्ग्यमुद्धासय <mark>ति</mark> । | यः प्रवर्ग्यमुद्वास <mark>य</mark> ति । |
| 93rd Dasini | | _ ~ _ |
| TA 8.9.11 | ٠ | * |
| 14th Vaakyam | अ <mark>य</mark> ँवै लोको गार्.हपत्यः । | अ <mark>यम्</mark> ँवै लोको गार्.हपत्यः । |
| 93rd Dasini | | |
| TA 0.40 0 | | |
| TA 8.10.2 | المحالية الم | المتعلق المتعل |
| 6th Vaakyam | तद् देवा <mark>न्यप</mark> यसाऽन्नाद्येन | तद् देवा <mark>न्प</mark> यसाऽन्नाद्येन समर्द्धयन्ति । |
| 95th Dasini | | |
| | समर्ब्धयन्ति । | |
| | | |

www.vedavms.in

Page 2 of 2